

एपेडा ने तमिलनाडु से कनाडा के लिए जीआई-टैग वाले सलेम साबूदाने की पहली खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

प्रविष्टि तिथि: 19 FEB 2026 5:47PM by PIB Delhi

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) ने तमिलनाडु के सलेम से कनाडा को 0.5 मीट्रिक टन जीआई-टैग युक्त सलेम साबूदाना के निर्यात को सुगम बनाया। मार्च 2023 में उत्पाद को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त होने के बाद, यह जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता, **सागोसर्व** द्वारा सीधे भेजा गया पहला निर्यात है।

तमिलनाडु टैपिओका साबूदाना का सबसे बड़ा उत्पादक है। सलेम को लंबे समय से देश के साबूदाना और स्टार्च उद्योग के केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। साबूदाना टैपिओका की जड़ों से प्राप्त होता है और भारत के कई हिस्सों में मुख्य भोजन के रूप में उपयोग किया जाता है।

तमिलनाडु सरकार के अधीन **सागोसर्व** को मार्च 2023 में सलेम साबूदाने के लिए जीआई पंजीकरण प्राप्त हुआ। इस संस्था में 334 पंजीकृत सदस्य-निर्माता हैं और यह अपने सदस्यों द्वारा उत्पादित साबूदाने और स्टार्च के विपणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही यह संस्था भंडारण, गुणवत्ता सुधार उपायों और टैपिओका की खेती और साबूदाने के प्रसंस्करण मानकों को बेहतर बनाने जैसी आवश्यक सेवा सुविधाएं भी प्रदान करती है।

सलेम का साबूदाना उद्योग टैपिओका की खेती में लगे जनजातीय समुदायों सहित बड़ी संख्या में किसानों को आजीविका प्रदान करता है। जीआई-प्रमाणित उत्पादन को सीधे निर्यात के अवसरों से जोड़कर, इस पहल ने टैपिओका की खेती पर निर्भर किसान परिवारों के लिए बेहतर मूल्य प्राप्ति और आय की संभावनाओं को मजबूत किया है।

परंपरागत रूप से, सलेम साबूदाने की आपूर्ति महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के व्यापारियों को की जाती रही है और इसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और सिंगापुर जैसे देशों में निर्यात किया जाता है। हालांकि, यह खेप जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता संस्था द्वारा किया गया पहला सीधा निर्यात था।

अन्य प्रमुख बाजारों में निर्यात की संभावनाओं को तलाशने के लिए, 18 फरवरी 2026 को तमिलनाडु के सलेम स्थित सलेम स्टार्च एंड सैगो मैनुफैक्चरर्स सर्विस इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (SAGOSERVE) के परिसर में एक निर्यात-केंद्रित कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

यह पहल जीआई-टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देने, उत्पादक समितियों और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच सीधे बाजार संपर्क स्थापित करने और भारत से मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ाने की एपीईडीए की रणनीति के अनुरूप है, और निकट भविष्य में इस तरह के और भी कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

पीके/केसी/जेएस/एसएस

